B.A. Hindi - II Year

Hindi Basha Ithihas Aur Varthaman - 1010308

हिन्दी भाषा इतिहास और वर्तमान

Unit - 01

संस्कृत से हिन्दी तक के विकास क्रम, भारतीय आर्य भाषा परिवार, हिन्दी के स्थान और महत्व, राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय संदर्भ, हिन्दी भाषा के विभिन्न भूमिकाओं की चर्चा, पूर्वी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी की विशेषतायें, भाषा–विकास, आधुनीकरण, मानवीकरण, आजीविका, हिन्दी साहित्य की परिभाषायें ।

Unit - 02

रस के भेदों का लक्षण, बिम्ब का अभिप्राय, बिम्ब के भेद, लेखन परंपरा और हिन्दी साहित्येतिहास, वीरगाथात्मक रसों काव्य, भक्ति काव्य का सामान्य विशेषतायें, रीतिमुक्त काव्य धारा की सामान्य विशेषतायें आधुनिक हिन्दी काव्य और हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमी, समकालीन कविता की प्रमुख विशेषतायें, स्वातंत्येत्तर हिन्दी नाटक, प्रयोगवाद, पृथ्वीराज रसो, मार्क्सवादी विचारधारा, अनुप्रास अलंकार, प्रारंभिक हिन्दी साहित्य, भारोपीय भाषा परिवार और उसकी प्रमुख विशेषतायें ।

Unit - 03

ग्रियर्सन तथा डॉ. सुनीति कुमार चाटर्जी द्वारा प्रस्तुत भारतीय आर्य भाषायें, वर्गीकरण, हिन्दी भाषा के विकास कालक्रमानुसार, हिन्दी भाषा के विकास कालक्रमानुसार, हिन्दी के स्वरूप, हिन्दी के प्रमुख भूमिकायें, भाषा और उपभाषा, बोली का अन्तर, हिन्दी की बोलियाँ और उनकी प्रमुख विशेषतायें हिन्दी और उर्दु ।

Unit - 04

हिन्दी–हिन्दुस्थानी, संबन्धी विवाद, मेतिहासिक एवं वर्तमान स्थितियाँ शिक्षा माध्यम के रूप में हिन्दी की भूमिका, संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 तक हिन्दी के व्यवस्था, प्रशासन के क्षेत्र में हिन्दी की स्थिति, भाषा के यांत्रिकीकरण, हिन्दी में उपलब्ध यात्रिक साधन, कुटुम और शतम वर्ग, प्रयोजनमूलक हिन्दी, साहितयक हिन्दी ।

Unit - 05

भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, समानतायें और विशेषतायें, पारिभाषिक शब्द, कम्प्यूटर में हिन्दी, हिन्दी भाषा के आधुनिक प्रयोजन, संप्रेषण, सामाजिक व्यवहार और संरचना, भाषा के स्वरूप और प्रयुक्ति की परिभाषा, संपर्क भाषा, मध्यकालीन आर्य भाषा, खड़ी–बोली के विकास, राजभाषा के रूप में हिन्दी, भारतीय भाषाओं की मूलभूत एकता, मानवीकरण, शब्द–शक्ति, शब्द–शक्ति का प्रकार, शब्दालंकार, अर्थालंकार, प्रमुख भेद, आदिकालीन साहित्य, सगुण भक्ति ।